KOLHAN
समाचार
सच्चाई के साथ

WWW.KOLHANSAMACHARLIVE.COM | जमशेदपुर, सोमवार 22 जून से रविवार 28 जून 2026 ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष संवत 2082 ● पृष्ठ : 04 ● वर्ष : 01, अंक : 03 | जमशेदपुर से प्रकाशित - डिजिटल एडिशन

वेनेजुएला में जबरदस्त भूकंप से 900 लोगों की मौत, 4,300 घायल

वेनेजुएला : वेनेजुएला में आए ज़बरदस्त भूकंपों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 900 हो गई है। 4,300 से ज़्यादा लोग घायल हुए हैं और हज़ारों लोग अभी भी लापता हैं, जबकि बचाव दल और परेशान निवासी उत्तरी इलाके में मलबे के बीच खोजबीन कर रहे हैं। इन दो शक्तिशाली भूकंपों ने देश को तबाह कर दिया है और इमारतें मलबे में तब्दील हो गई हैं। स्वास्थ्य मंत्री कार्लोस अल्वाराडो ने कहा कि अधिकारियों को लगभग 235 ऐसे मरीज़ मिले हैं जिनमें कोई जीवन-संकेत नहीं थे या जो हमारे स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुँचने पर मृत पाए गए। उन्होंने चेतावनी दी कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि हज़ारों लोग अभी भी लापता हैं। बुधवार शाम को 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंप आए, जो एक सदी से भी ज़्यादा समय में वेनेज़ुएला में आए सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से थे।

इन झटकों को पड़ोसी देशों में भी महसूस किया गया, जिसके कारण ब्राज़ील के अमेज़न क्षेत्र तक के इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाना पड़ा। इस आपदा के

खोज और बचाव अभियान जारी

जवाब में, गुरुवार को अमेरिकी ट्रेज़री ने 23 अक्टूबर तक वेनेज़ुएला पर लगे कुछ प्रतिबंधों में अस्थायी रूप से ढील दी, ताकि भूकंप राहत कार्यों से जुड़े उन लेन-देन की अनुमति दी जा सके जो अन्यथा प्रतिबंधित होते। सबसे ज़्यादा प्रभावित इलाकों में, लोग बचाव कार्यों में शामिल हो गए। वे मलबे में दबे लोगों को खोजने के लिए गिरी हुई इमारतों को खोद रहे थे, जबकि इमरजेंसी टीमें प्रभावित इलाकों तक पहुँचने की कोशिश कर रही थीं। मलबे से एक महिला को ज़िंदा निकाला गया। सरकारी टीवी पर बचाव कार्यों के कई रोमांचक दृश्य दिखाए गए। इनमें कंक्रीट के स्लैब के नीचे फंसी एक महिला को बचाने का दृश्य भी शामिल था; बचाव कर्मियों के उसे ज़िंदा बाहर निकालने से पहले उसका सिर्फ़ एक नंगा पैर ही दिखाई दे रहा था।

हालाँकि, कई लोगों का कहना था कि सरकारी मदद मिलने में देर हुई। काराकस के बाहर कई इलाकों में, भारी मशीनरी न होने पर पड़ोसियों ने फावड़ों और अपने हाथों से ही बचाव कार्य किए। दयाना डेलगाडो, जिनका आठ साल का बेटा लापता है, ने कहा, मैं जानना चाहती हूँ कि मेरा बच्चा कहाँ है, क्या वह फँसा हुआ है या किसी शेल्टर में है। उन्होंने सवाल किया कि अधिकारियों ने जो भारी मशीनें भेजने का वादा किया था, वे अब तक उस इलाके में क्यों नहीं पहुँचीं। आपदा प्रभावित इलाके में दुखद दृश्य देखने को मिले। एक माँ रोते-रोते गिर पड़ी जब उसके तीन और दस साल के बच्चों के शवों को कंबल में लपेटकर ले जाया जा रहा था। दूसरे लोग अपने लापता रिश्तेदारों के नाम पुकार रहे थे या चुपचाप खड़े होकर बचाव कर्मियों को मलबे की तलाशी लेते हुए देख रहे थे। तटीय राज्य ला गुएरा, जहाँ काराकस के ठीक उत्तर में वेनेज़ुएला का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है, वहाँ सबसे ज़्यादा तबाही हुई। हवाई अड्डे को नुकसान पहुँचने के कारण उसे बंद करना पड़ा, जिससे राहत कार्यों में और मुश्किलें आ गईं। रिटायर्ड स्कूल टीचर जुआन अल्बर्टो मेंडानो ने बताया कि मलबे और एक शव के पास से गुज़रने के बाद उन्हें मलबे के नीचे फँसी एक महिला दिखी, जो हाथ से मदद के लिए इशारा कर रही थी।

फिलीपींस में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया, पूरे देश में झटके महसूस किए गए

फिलीपींस : जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (GFZ) ने बताया कि शुक्रवार को फिलीपींस के दक्षिणी द्वीप मिंडानाओ में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। GFZ के अनुसार, भूकंप 29 किलोमीटर (18.02 मील) की गहराई पर आया था। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे ने बताया कि भूकंप शाम 7:42 बजे (1142 GMT) मिंडानाओ द्वीप के सरंगानी शहर से लगभग 21 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में 65.7 किलोमीटर (41 मील) की गहराई पर आया। यह घटना उसी इलाके में आए एक ज़बरदस्त भूकंप के तीन हफ़्ते से भी कम समय बाद हुई है, जिसमें 80 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई थी। सुनामी की कोई तत्काल चेतावनी जारी नहीं की गई। देश में यह ताज़ा भूकंप दक्षिणी फ़िलीपींस में आए एक शक्तिशाली भूकंप के कुछ हफ़्ते बाद आया है, जिसमें 80 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई थी और मिंडानाओ के कई हिस्सों में भारी नुकसान हुआ था।

वेनेज़ुएला में भूकंप : हज़ारों लोगों के लापता होने की खबर : हज़ारों लोगों के लापता होने की खबर है और ब्राज़ील के अमेज़न तक की इमारतों को खाली कराया गया। इस तबाही के जवाब में, अमेरिकी ट्रेज़री ने गुरुवार को 23 अक्टूबर तक

कुछ प्रतिबंधों में ढील देने का फ़ैसला किया, ताकि वेनेज़ुएला में भूकंप राहत कार्यों से जुड़े लेन-देन हो सकें, जिन पर आम तौर पर रोक होती है। इस बीच, उत्तरी वेनेज़ुएला के शहरों में घबराए हुए लोग सड़कों पर उतर आए और मलबे में लापता लोगों को खोजने लगे। मलबे से धूल और खून से लथपथ घायलों को बाहर निकाला गया, जिनमें बच्चे और जानवर भी शामिल थे। वेनेज़ुएला के सरकारी टीवी पर बचाव कार्य की हैरान करने वाली तस्वीरें दिखाई गईं, जिनमें एक महिला सीमेंट के स्लैब के नीचे फंसी हुई थी; बचाव दल के उसे ज़िंदा बाहर निकालने से पहले उसका सिर्फ़ नंगा पैर बाहर दिख रहा था। लेकिन काराकस के बाहर सरकारी खोज टीमें बहुत कम ही दिखाई दीं। तीन बच्चों की माँ दयाना डेलगाडो ने पूछा कि सरकारी अधिकारियों ने जिस भारी मशीनरी का वादा किया था, वह कहाँ है; उन्होंने बताया कि मलबे की खुदाई तो पड़ोसी ही कर रहे थे।

ड्रग-फ्री इंडिया के लिए अगले तीन साल निर्णायक: अमित शाह

नई दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि वर्ष 2026 से 2029 के बीच का समय भारत की ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा। विज्ञान भवन में आयोजित नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन सेंटर (NCORD) की 10वीं बैठक में उन्होंने ड्रग कंट्रोल (2026-2029) विजन डॉक्यूमेंट जारी किया। शाह ने कहा कि ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस या किसी एक एजेंसी की नहीं, बल्कि पूरे देश की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नार्को-टेररिज्म को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया। इस अवसर पर एनसीबी की वार्षिक रिपोर्ट जारी की गई और 6,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के नशीले पदार्थों के निस्तारण अभियान की भी शुरुआत की गई।

हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बड़ी राहत देते हुए वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव के दौरान कथित चुनाव आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े आपराधिक मामले की कार्यवाही रद्द कर दी है। न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी की एकलपीठ ने मामले की विस्तृत सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ पश्चिमी सिंहभूम जिले की एक जिला अदालत में मुकदमा चल रहा था। मामला वर्ष 2014 का है, जब आदित्यपुर थाना क्षेत्र में उनके खिलाफ चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज की गई थी।

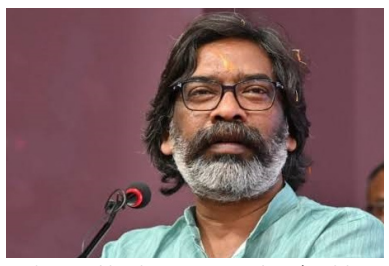

इसके बाद सोरेन ने इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पहले ही उनके खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। अंतिम सुनवाई में मुख्यमंत्री की ओर से पक्ष रखते हुए अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि हेमंत सोरेन ने किसी भी प्रकार की चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन नहीं किया था। साथ ही यह भी दलील दी गई कि राजनीतिक द्वेष की भावना से प्रेरित होकर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने मामले में चल रही आपराधिक कार्यवाही को निरस्त करने का आदेश दिया। अदालत के इस फैसले से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बड़ी कानूनी राहत मिली है।

गुजरात एटीएस ने 8.32 करोड़ की ट्रामाडोल टैबलेट जब्त किया

अहमदाबाद : गुजरात एटीएस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अहमदाबाद में एक लक्जरी बस से 8.32 करोड़ रुपये मूल्य की 2.08 लाख प्रतिबंधित ट्रामाडोल टैबलेट जब्त की हैं। मामले में वलसाड निवासी परेश जैन को राजस्थान के उदयपुर से गिरफ्तार किया गया है। एटीएस के अनुसार आरोपी उत्तराखंड से दवाएं खरीदकर गुजरात में स्टॉक करता था और राजस्थान व उत्तर प्रदेश में सप्लाई करता था। जांच में सामने आया है कि उसने मई 2026 से अब तक 62.54 लाख ट्रामाडोल टैबलेट खरीदी थीं। आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी है और उससे पूछताछ जारी है।

वंशवाद नहीं, जनसेवा के रास्ते पर आगे बढ़ रहीं दुखनी सोरेन

—जनता की बेटी बनकर जीत रही हैं लोगों का विश्वास

कोल्हान क्षेत्र के पोटका, बहरागोड़ा, घाटशिला और सरायकेला विधानसभा क्षेत्रों में दुखनी सोरेन लगातार सक्रिय भूमिका निभाते हुए जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठा रही हैं। वे गांव-गांव पहुंचकर आम लोगों, बुजुर्गों, महिलाओं, युवाओं और विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी वास्तविक समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए प्रयासरत हैं। यही कारण है कि आज वे क्षेत्र में जनविश्वास और जनसंघर्ष की एक मजबूत आवाज के रूप में उभर रही हैं। दुखनी सोरेन का मानना है कि किसी भी क्षेत्र का विकास केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझने और उन्हें समाधान तक पहुंचाने से होता है। इसी सोच के साथ वे लगातार जल, जंगल और जमीन की रक्षा, पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन, आदिवासी-मूलवासी अधिकारों की सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, रोजगार और महिलाओं की सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों को मजबूती से उठा रही हैं।

हाल के दिनों में उन्होंने कई ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर वहां की स्वास्थ्य व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था, सिंचाई, सड़क और रोजगार संबंधी समस्याओं को गंभीरता से उठाया है। कई मामलों में प्रशासन और संबंधित विभागों का ध्यान आकृष्ट कर समाधान की दिशा में ठोस पहल भी की है। ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी बात सुनना और उन्हें संघर्ष के लिए जागरूक करना उनकी कार्यशैली की विशेष पहचान बन चुकी है। दुखनी सोरेन विशेष रूप से इस बात पर जोर देती हैं कि झारखंड का युवा शिक्षित, आत्मनिर्भर और कुशल बने।

उनका मानना है कि राज्य के स्थानीय युवाओं को स्थानीय उद्योगों और कंपनियों में प्राथमिकता के आधार पर रोजगार मिलना चाहिए ताकि मजदूरों और युवाओं का दूसरे राज्यों में पलायन रुके। वे कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और रोजगार सृजन को झारखंड के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक मानती हैं। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर भी वे लगातार आवाज उठा रही हैं। उनका कहना है कि जब तक गांव की महिलाओं को शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता नहीं मिलेगी, तब तक समाज का समग्र विकास संभव नहीं है। इसी प्रकार वे बच्चों और विद्यार्थियों के लिए बेहतर विद्यालय, शिक्षकों की उपलब्धता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मांग को भी लगातार प्रमुखता से रख रही हैं।

दुखनी सोरेन का संघर्ष केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों से जुड़ा हुआ है। वे कोल्हान ही नहीं, पूरे झारखंड में आदिवासी-मूलवासी समाज के अधिकारों, सम्मान और विकास के लिए एक मजबूत जनआंदोलन खड़ा करने की दिशा में कार्य कर रही हैं। उनकी स्पष्ट सोच है कि झारखंड की पहचान, संस्कृति, संसाधन और अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। आज क्षेत्र के अनेक लोग उन्हें एक ऐसी जननेता के रूप में देख रहे हैं, जो केवल समस्याओं की चर्चा नहीं करतीं, बल्कि उनके समाधान के लिए धरातल पर संघर्ष भी करती हैं। जनहित के मुद्दों पर उनकी सक्रियता, संवेदनशीलता और संघर्षशीलता उन्हें कोल्हान क्षेत्र की एक प्रभावशाली जनआवाज के रूप में स्थापित कर रही है।

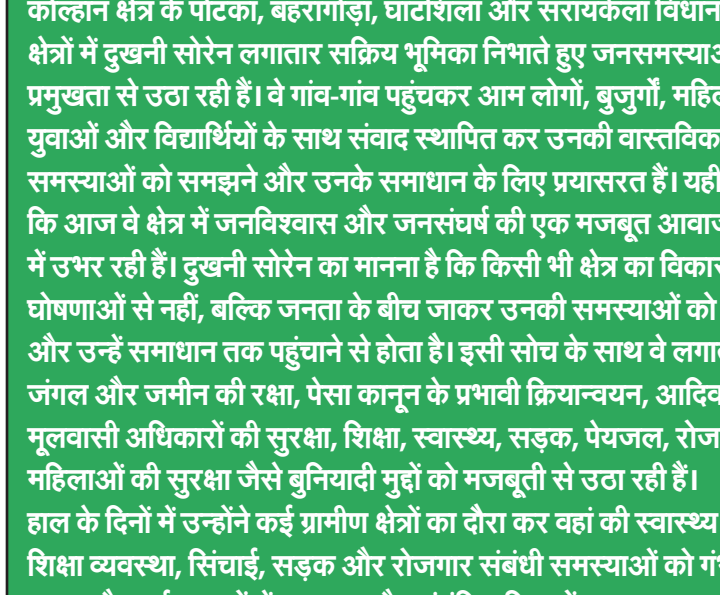

कर्मठ, जुझारू एवं शिक्षित महिला नेत्री सह समाजसेवी दुखनी सोरेन की ओर से समस्त झारखंडवासियों को हुल क्रांति दिवस की

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

जन जन की यही पुकार
भ्रष्टाचार पर हो गंभीर प्रहार

दुखनी सोरेन, महिला नेत्री सह समाजसेवी

मानदेय भुगतान की मांग को लेकर पश्चिम सिंहभूम के 3500 स्वास्थ्य अनुबंधकर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

छह माह से लंबित भुगतान और मानदेय वृद्धि की मांग को लेकर सिविल सर्जन कार्यालय के समक्ष धरना, सिविल सर्जन ने जल्द समाधान का दिया आश्वासन

- मांगों पर कार्रवाई नहीं होने से लिया हड़ताल का फैसला

चाईबासा : पश्चिम सिंहभूम जिले के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत लगभग 3500 संविदा आधारित अनुबंधकर्मियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल के पहले दिन जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में स्वास्थ्यकर्मी चाईबासा स्थित सिविल सर्जन कार्यालय पहुंचे और कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगों में पिछले छह माह से लंबित मानदेय का भुगतान, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित मानदेय वृद्धि का भुगतान तथा अन्य लंबित समस्याओं का समाधान शामिल है। अनुबंधकर्मियों का कहना है कि लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण उनके परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और बच्चों की पढ़ाई से लेकर दैनिक जरूरतों को पूरा करना भी कठिन हो गया है। धरना पर बैठे कर्मियों ने बताया कि अपनी समस्याओं को लेकर वे कई बार विभागीय अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है।

उन्होंने कहा कि 20 जून को भी बड़ी संख्या में अनुबंधकर्मियों ने सिविल सर्जन कार्यालय का घेराव कर ज्ञापन सौंपा था और मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद कोई सकारात्मक पहल नहीं होने पर उन्हें अनिश्चितकालीन हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा। इस आंदोलन में मलेरिया, कुष्ठ, टीबी, एनसीडी सेल सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों से जुड़े सहिया, सहिया साथी, बीटीटी, एएनएम, सीएचओ, डीपीटी, टीपीसी और एसटीटी समेत बड़ी संख्या में अनुबंधकर्मी शामिल हैं। धरना-प्रदर्शन के दौरान अनुबंधकर्मियों ने सरकार और विभाग से लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान करने तथा अन्य मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की।

उनका कहना है कि स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं और कार्यक्रमों को गांव-गांव तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन समय पर मानदेय नहीं मिलने से उनका मनोबल प्रभावित हो रहा है। इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ. जुझार माझी ने प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए कहा कि कर्मियों की मांगें उचित हैं। उन्होंने बताया कि लंबित मानदेय भुगतान के संबंध में स्वास्थ्य सचिव को पत्र भेजा जा चुका है और विभाग स्तर पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही भुगतान प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी और समस्या का समाधान निकल जाएगा।

सारंडा घाटी में बस और पिकअप की आमने-सामने जोरदार टक्कर

तितलीघाट और झाड़बेड़ा के बीच दुर्घटना, दोनों वाहनों को भारी नुकसान, सभी यात्री सुरक्षित

गुवा : गुवा के किरीबुरू-छोटानागरा मुख्य सड़क मार्ग पर सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। छोटानागरा थाना क्षेत्र के तितलीघाट और झाड़बेड़ा गांव के बीच स्थित सारंडा घाटी में एक यात्री बस और मोबिल सहित अन्य तरल पदार्थों से लदी पिकअप वाहन के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी। हालांकि राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में दोनों वाहनों के चालक और सवार लोग सुरक्षित बच गए तथा किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हादसे में बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि पिकअप वाहन को भी भारी नुकसान पहुंचा। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही छोटानागरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त यात्री बस को अपने कब्जे में लेकर थाना पहुंचा दिया, जबकि समाचार लिखे जाने तक पिकअप वाहन घटनास्थल पर ही खड़ा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों वाहन घाटी के एक खतरनाक मोड़ पर तेज रफ्तार से आ रहे थे। अचानक आमने-सामने आने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सके और टक्कर हो गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में सहयोग किया और यातायात व्यवस्था को सामान्य बनाने में मदद की। पुलिस पूरे मामले की जांच कर दुर्घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि किरीबुरू-छोटानागरा मार्ग पर दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। विशेष रूप से सारंडा घाटी में तितलीघाट से सैडल गेट के बीच का क्षेत्र दुर्घटना संभावित माना जाता है। सड़क संकरी होने और कई अंधे मोड़ों के कारण सामने से आने वाले वाहनों का अनुमान लगाना कठिन हो जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई चालक तेज गति से वाहन चलाते हैं और मोड़ों पर हॉर्न का उपयोग भी नहीं करते, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मार्ग पर चेतावनी संकेतक बोर्ड लगाने, खतरनाक मोड़ों का चौड़ीकरण कराने और नियमित पुलिस गश्त की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

विधायक व उपायुक्त ने किया क्षेत्र भ्रमण विकास योजनाओं की ली समीक्षा

पेयजल, आवास और महिला आजीविका योजनाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

- वाटर ट्रीटमेंचट प्लांट का निरीक्षण, पेयजल व्यवस्था पर दिया जोर
- प्रधानमंत्री आवास योजना से बदल रही ग्रामीण परिवारों की जिंदगी

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव प्रखंड क्षेत्र में सोमवार को विधायक नीरल पूर्ति और उपायुक्त मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से विभिन्न विकास योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान दोनों ने गुड़गांव स्थित मझगांव वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट पहुंचकर पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने प्लांट की वर्तमान स्थिति, तकनीकी आवश्यकताओं और संचालन से जुड़ी तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त मनीष कुमार ने संबंधित अधिकारियों को लंबित तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा कर प्लांट को जल्द चालू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और इस दिशा में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भ्रमण के दौरान विधायक और उपायुक्त बलियापोसी पंचायत के कुम्हार टोली पहुंचे, जहां प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित आवास की लाभुक सोमबारी हेस्सा के गृह प्रवेश कार्यक्रम में शामिल हुए। गृह प्रवेश के उपरांत लाभुक परिवार को प्रोत्साहन स्वरूप प्रेशर कुकर भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर विधायक नीरल पूर्ति ने कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। वहीं उपायुक्त मनीष कुमार ने लाभुक परिवार से योजना के क्रियान्वयन और लाभ से संबंधित जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्देश दिया कि परिवार को अन्य सरकारी योजनाओं से भी जोड़ा जाए, ताकि उन्हें समग्र विकास का लाभ मिल सके।

भ्रमण के अंतिम चरण में मझगांव बाजार में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के माध्यम से संचालित आम बिक्री केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस केंद्र में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्थानीय स्तर पर उत्पादित एवं एकत्रित आमों की बिक्री की व्यवस्था की गई है।

विधायक नीरल पूर्ति ने कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वहीं उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन महिलाओं की आजीविका बढ़ाने और ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, जेएसएलपीएस कर्मी, पंचायत प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

बिरसा हरित ग्राम योजना से किसान की बदली तकदीर

आम की बागवानी से लाखों की आय अर्जित कर रहे विजय मुंदूइया, बंजर भूमि को बनाया आमदनी का स्रोत

चाईबासा : पश्चिम सिंहभूम जिले के खुंटपानी प्रखंड अंतर्गत कुस्तुइया गांव के किसान मित्र विजय मुंदूइया ने बिरसा हरित ग्राम योजना का लाभ उठाकर अपनी बंजर भूमि की तस्वीर बदल दी है। झारखंड सरकार द्वारा मनरेगा (एमजीएनरेगा) के तहत संचालित इस योजना का उद्देश्य खाली और अनुपयोगी भूमि पर फलदार पौधों की खेती को बढ़ावा देना है, ताकि ग्रामीण किसानों और मजदूरों को स्थायी रोजगार एवं आय का साधन मिल सके। लगभग पांच वर्ष पूर्व विजय मुंदूइया को इस योजना के तहत 120 आम के पौधे उपलब्ध कराए गए थे। उन्होंने एक एकड़ बंजर भूमि पर इन पौधों को लगाया और निरंतर देखभाल की। समय के साथ पौधे विकसित हुए और अब फल देने लगे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है।

रोजगार की कमी और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे विजय मुंदूइया ने खेती और बागवानी को ही अपनी सफलता का आधार बनाया। उनका कहना है कि आम के फलों की बिक्री से उन्हें हर वर्ष लगभग डेढ़ लाख से दो लाख रुपये तक की आमदनी हो जाती है। उनकी सफलता की जानकारी मिलने पर खुंटपानी प्रखंड प्रमुख सिद्धार्थ होनहागा एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी धनंजय पाठक ने उनके बागवानी क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान विजय मुंदूइया ने बागवानी क्षेत्र में डीप बोरिंग लगाने का प्रस्ताव रखा, ताकि सिंचाई की बेहतर व्यवस्था हो सके और वे साग-सब्जियों की खेती कर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकें। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने मनरेगा के तहत डीप बोरिंग की सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

निरीक्षण के दौरान प्रखंड प्रमुख सिद्धार्थ होनहागा ने विजय मुंदूइया की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने रोजगार के अभाव में पलायन का रास्ता नहीं चुना, बल्कि अपनी बंजर भूमि को उपजाऊ बनाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। उन्होंने कहा कि विजय का प्रयास क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आज वे न केवल अपने परिवार का बेहतर पालन-पोषण कर रहे हैं, बल्कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा भी उपलब्ध करा रहे हैं। बिरसा हरित ग्राम योजना के माध्यम से मिली सफलता यह साबित करती है कि यदि सरकारी योजनाओं का सही तरीके से लाभ उठाया जाए तो ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोजगार और समृद्धि के नए रास्ते खोले जा सकते हैं।

तांबो चौक पर परिवहन विभाग की सख्त कार्रवाई ओवरलोडिंग करने वाले छह वाहनों पर जुर्माना

सघन जांच अभियान में बस, ऑटो और मैजिक वाहनों की जांच, यात्री सुरक्षा को लेकर विभाग गंभीर

चाईबासा : चाईबासा में जिला परिवहन पदाधिकारी गौतम कुमार के निर्देश पर तांबो चौक के समीप विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। मोटरयान निरीक्षक कृष्णा सोरेन के नेतृत्व में संचालित इस अभियान के दौरान पैसेंजर बसों, ऑटो और मैजिक वाहनों की गहन जांच की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाकर परिचालन करने वाले वाहनों पर रोक लगाना और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना था। जांच के दौरान उन वाहनों पर विशेष नजर रखी गई, जिनमें बच्चों और विद्यार्थियों को असुरक्षित तरीके से बैठाकर ले जाया जा रहा था। विभाग को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कई ऑटो और मैजिक वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाया जाता है तथा कुछ मामलों में वाहन की छत पर भी यात्रियों को बैठाकर यात्रा कराई जाती है, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। मोटरयान निरीक्षक कृष्णा सोरेन ने बताया कि जिला परिवहन पदाधिकारी के निर्देश पर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। ओवरलोडिंग को सड़क दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि क्षमता से अधिक भार होने पर वाहन को नियंत्रित करना कठिन हो जाता है। ऐसी स्थिति में ब्रेक लगाने में अधिक समय लगता है और तेज गति या मोड़ पर वाहन के पलटने की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा टायर फटने, इंजन, सस्पेंशन तथा अन्य तकनीकी हिस्सों पर अतिरिक्त दबाव पड़ने से भी दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।

राजदोहा गांव में संताली ओल चिकी क्लास का शुभारंभ

सामाजिक व्यवस्था, धार्मिक परंपराएं, रीति-रिवाज और आदिवासी संस्कारों की भी दी जाएगी शिक्षा

- सामाजिक, सांस्कृतिक धार्मिक और विषयों की होगी पढ़ाई
- झारखंड में ओलचिकी शिक्षा को बढ़ावा दे की पहल
- मेधावी छात्रों की हुआ सम्मान, समाज के लोगों ने रखे विचार

पोटका : पोटका प्रखंड अंतर्गत राजदोहा गांव के डुगरीडीह टोला में भुरका ईपील सेचेद अखाड़ा के बैनर तले रविवार को संताली ऑल चिकी क्लास का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डोमजूडी पीर परगना हरिपदो मुर्मू एवं असेका के महासचिव शंकर सोरेन ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए हरिपदो मुर्मू ने कहा कि इस प्रकार के शिक्षण केंद्र प्रत्येक गांव में स्थापित होने चाहिए, ताकि समाज के सभी लोग अपनी मातृभाषा और लिपि का ज्ञान प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि भाषा और संस्कृति की पहचान को बनाए रखने के लिए नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ना आवश्यक है।

असेका के महासचिव शंकर सोरेन ने बताया कि इस केंद्र में ऑल चिकी की पढ़ाई लोअर, हायर, मैट्रिक तथा प्लस टू स्तर तक कराई जाएगी। इसके साथ ही संथाल समाज की सामाजिक व्यवस्था, धार्मिक मान्यताओं, रीति-रिवाजों, संस्कारों, सामाजिक बुराइयों और पारंपरिक आदिवासी वाद्य यंत्रों के बारे में भी विद्यार्थियों को जानकारी दी जाएगी। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित ऑल चिकी के प्रधान शिक्षक दुर्गा प्रसाद मुर्मू को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्होंने झारखंड सरकार से मांग की कि स्कूलों में प्रतिदिन कम से कम एक घंटे ऑल चिकी पढ़ाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि यह भाषा जन-जन तक पहुंच सके और इसे व्यापक पहचान मिले।

कार्यक्रम का संचालन फूदान मार्डी प्राणिक ने किया। इस अवसर पर मानिक हांसदा, फुदन मुर्मू, मानसिंह मांझी, समाजसेवी सगेन हांसदा तथा हलुदबनी के ग्राम प्रधान सहित कई गणमान्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही झारखंड असेका द्वारा आयोजित वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। प्लस टू स्तर में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली पोमा हांसदा तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले शिव चरण हांसदा को प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में राजदोहा माझी बाबा ने धन्यवाद ज्ञापन किया और समाज को शिक्षा एवं संस्कृति के संरक्षण के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

मनोहरपुर में मनरेगा कर्मियों की समीक्षा बैठक तीन माह की हड़ताल समाप्त कर लौटे काम पर

बीडीओ ने योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की, कर्मियों ने सरकार की पहल पर जताया भरोसा, सरकार के आश्वासन के बाद समाप्त हुई हड़ताल

मनोहरपुर : मनोहरपुर प्रखंड स्थित सारंडा सभागार में सोमवार को मनरेगा कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) शक्ति कुंज ने की। इस दौरान बीडीओ ने मनरेगा के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने रोजगार सेवकों से बिरसा सिंचाई कूप, बिरसा हरित आम बागवानी योजना, अबुआ आवास योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य विकास योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

साथ ही सभी रोजगार सेवकों को योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और प्रदर्शन सूचकांक (पीडी) में सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ समय पर लाभुकों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। बैठक से पहले मनरेगा कर्मियों ने अपनी तीन माह से जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त कर पुनः कार्यभार ग्रहण किया। इस संबंध में कर्मियों ने बीडीओ को ज्ञापन सौंपकर काम पर लौटने की जानकारी दी। रोजगार सेवक दिनेश महतो ने बताया कि सरकार द्वारा उनकी प्रमुख मांगों पर सकारात्मक पहल का आश्वासन मिलने के बाद हड़ताल समाप्त करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष या उससे अधिक समय से कार्यरत मनरेगा कर्मियों को ग्रेड पे देने, सेवाकाल के दौरान दिवंगत कर्मियों के आश्रितों को जिला स्तरीय चयन प्रक्रिया में प्राथमिकता देने तथा मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना का लाभ उपलब्ध कराने जैसी मांगों पर विचार किया जा रहा है। बैठक में जूनियर इंजीनियर सुनील किसान, मकरध्वज नायक, पंचायत सचिव अमृता बाड़ा, रोजगार सेवक आबिद हेम्ब्रम, अवधेश यादव सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

ब्रीफ खबर

मनोहरपुर में इंग्लिश वाइन शॉप पर हंगामा, दो लोग घायल

मनोहरपुर : मनोहरपुर के पुराना लकड़ी डिपो के समीप स्थित एक इंग्लिश वाइन शॉप में रविवार को शराब को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। जानकारी के अनुसार, किसी बात को लेकर ग्राहक और वाइन सेलर के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर वाइन की बोतलों से हमला कर दिया। घटना में ग्राहक बबलू महतो के माथे पर गंभीर चोट लगी, जबकि वाइन सेलर रिंटू कुमार के दाहिने हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के दौरान दुकान के आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। घटना के बाद दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए मनोहरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटना से जुड़े लोगों से पूछताछ कर स्थिति की जानकारी जुटाई। हालांकि समाचार लिखे जाने तक किसी भी पक्ष की ओर से प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई थी।

नशे के खिलाफ बहरागोड़ा में छात्रों ने निकाली जागरुकता रैली

बहरागोड़ा : बहरागोड़ा में सोमवार को नशा मुक्ति को लेकर एक प्रभावशाली जागरूकता अभियान चलाया गया। झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के अंतर्गत संचालित निर्माण सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकालकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया। मंदिरा सीट के नेतृत्व में निकली यह रैली बहरागोड़ा बाजार के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। छात्र-छात्राएं हाथों में नशा मुक्त समाज का संदेश लिखी तख्तियां लेकर चल रहे थे और नशे के खिलाफ जोरदार नारे लगा रहे थे। रैली के दौरान स्थानीय लोगों से भी नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की गई। रैली के समापन के बाद सभी प्रतिभागी प्रशिक्षण केंद्र पहुंचे, जहां एक संकल्प सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने और लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षकों और संस्थान के प्रतिनिधियों ने युवाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि नशा समाज और युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है, जिससे मिलकर लड़ने की आवश्यकता है।

वरिष्ठ लेखक भवतोष राय का निधन, चाईबासा में शोक की लहर

चाईबासा : चाईबासा के बांधपाड़ा निवासी एवं वरिष्ठ दलील लेखक भवतोष राय का सोमवार सुबह जमशेदपुर स्थित टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही चाईबासा सहित आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। भवतोष राय लंबे समय से विधिक क्षेत्र से जुड़े हुए थे और अपनी कार्यकुशलता, सादगी तथा सौम्य व्यवहार के कारण लोगों के बीच सम्मानित पहचान रखते थे। अधिवक्ता समुदाय, सामाजिक संगठनों तथा शहरवासियों ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताते हुए गहरा दुख व्यक्त किया है। उनके निधन से विधिक जगत में शून्यता उत्पन्न हो गई है। भवतोष राय अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके बड़े पुत्र पार्थ सारथी राय शिक्षक हैं, जबकि छोटे पुत्र सव्यसाची राय अधिवक्ता के रूप में कार्यरत हैं। उनकी पुत्रवधू उपमा राय चाईबासा नगर परिषद की वार्ड पार्षद हैं और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं। उनका अंतिम संस्कार चाईबासा के मुक्तिधाम में किया गया।

झारखंडी भाषा भाषी मूलनिवासी संघ की पोटका में बैठक

पोटका : पोटका के टांगरसाय में झारखंडी भाषा भाषी मूलनिवासी संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के जिला अध्यक्ष आनंद हेम्ब्रम ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में संघ के केंद्रीय अध्यक्ष संजय बेहरा उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने, प्रखंड कमिटी के गठन और उसके विस्तार को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों ने संगठन की गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने तथा अधिक से अधिक लोगों को संघ से जोड़ने पर जोर दिया। इस दौरान सर्वसम्मति से टांगरसाय (रांगमातीय) निवासी सुंदर टुडू को पोटका प्रखंड का नया प्रभारी मनोनीत किया गया। जिला अध्यक्ष आनंद हेम्ब्रम ने उन्हें सदस्यता रसीद प्रदान करते हुए संगठन विस्तार की जिम्मेदारी सौंपी। नवनियुक्त प्रखंड प्रभारी सुंदर टुडू ने संगठन के केंद्रीय और जिला नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे।

बागुन सुम्बरुई की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

चाईबासा : चाईबासा स्थित कांग्रेस भवन में सोमवार को झारखंड आंदोलन के अग्रणी योद्धा एवं पूर्व सांसद स्वर्गीय बागुन सुम्बरुई की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके संघर्षमय जीवन और जनसेवा के कार्यों को याद किया। कांग्रेस जिला प्रवक्ता त्रिशानु राय ने कहा कि बागुन सुम्बरुई केवल एक जनप्रतिनिधि नहीं थे, बल्कि झारखंडी अस्मिता, आदिवासी स्वाभिमान और सामाजिक न्याय की बुलंद आवाज थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन जल, जंगल और जमीन की रक्षा के साथ-साथ आदिवासी समुदाय के अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। उनके संघर्षों ने झारखंड आंदोलन को नई दिशा और व्यापक जनसमर्थन प्रदान किया। त्रिशानु राय ने कहा कि स्वर्गीय बागुन सुम्बरुई किसानों, मजदूरों, वंचितों और शोषितों की आवाज बनकर जीवनभर संघर्ष करते रहे।

एसआईआर 2026 : 86.43 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूरी

30 जून से घर-घर सर्वे शुरू, 5 अगस्त को प्रारूप सूची का प्रकाशन, 7 अक्टूबर को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची

- जिले में 2 .69 लाख मतदाताओं से जुड़ी विसंगतियां चिन्हित, होगा सत्यापन

चाईबासा : जिला समाहरणालय सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मनीष कुमार ने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पश्चिमी सिंहभूम जिले में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पुनरीक्षण कार्य शुरू किया जा रहा है। गणना चरण 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक चलेगा। इस दौरान बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे। मतदाताओं को आवश्यक जानकारी भरकर, नवीनतम फोटो चिपकाकर तथा हस्ताक्षर कर प्रपत्र जमा करना होगा। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि इस चरण में किसी भी मतदाता से कोई दस्तावेज नहीं लिया जाएगा। मैप्ड और अनमैप्ड दोनों श्रेणी के मतदाताओं के लिए गणना प्रपत्र भरना अनिवार्य होगा। प्रवासी श्रमिकों और राज्य से बाहर अध्ययनरत छात्रों के लिए भी ऑनलाइन एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रपत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

उपायुक्त मनीष कुमार ने बताया कि सत्यापन अवधि 5 अगस्त से 3 अक्टूबर 2026 तक चलेगी। इस दौरान केवल चिन्हित मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेज लिए जाएंगे और उन्हें विधिवत नोटिस जारी किया जाएगा। निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार 1 अक्टूबर 2026 को अर्हता तिथि निर्धारित की गई है। 5 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन होगा, जबकि दावा एवं आपत्तियां 5 अगस्त से 4 सितंबर तक स्वीकार की जाएंगी। इनके निस्तारण की प्रक्रिया 3 अक्टूबर तक चलेगी तथा अंतिम मतदाता सूची 7 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि पूर्व एसआईआर सूची में दर्ज मतदाताओं को अतिरिक्त दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं होगी। हालांकि जिन मतदाताओं अथवा उनके माता-पिता का नाम पूर्व सूची में दर्ज नहीं है, उन्हें निर्धारित दस्तावेजों में से किसी एक की स्व-अभिप्रमाणित प्रति जमा करनी होगी।

उपायुक्त ने बताया कि पश्चिमी सिंहभूम जिले के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में 23 जून 2026 तक कुल 10,84,238 मतदाताओं में से 9,37,081 मतदाताओं की मैपिंग पूरी कर ली गई है, जो कुल मतदाताओं का 86.43 प्रतिशत है। वहीं 1,47,157 मतदाता अभी भी अनमैप्ड हैं। जिले में कुल 2,69,788 मतदाताओं से संबंधित विभिन्न प्रकार की विसंगतियां चिन्हित की गई हैं, जिनका आगामी चरण में सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि किसी भी समस्या के समाधान, पूर्व एसआईआर सूची में नाम खोजने अथवा अन्य जानकारी प्राप्त करने के लिए मतदाता हेल्पलाइन 1950, ईसीआईनेट पोर्टल एवं मोबाइल ऐप का उपयोग किया जा सकता है। साथ ही 30 जून को सभी बूथों पर बीएलओ, बीएलए-2 और चुनाव पाठशाला के साथ विशेष जागरूकता बैठकें आयोजित की जाएंगी, ताकि अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को पद्मश्री सम्मान मिलने पर झामुमो में खुशी, बुधराम लागुरी ने दी बधाई

झारखंड आंदोलन और आदिवासी अधिकारों के संघर्ष को मिला राष्ट्रीय सम्मान : बुधराम लागुरी

- संघर्ष और जनसेवा की राष्ट्रीय स्तर पर हुई पहाचन

चाईबासा : झारखंड आंदोलन के महानायक, झारखंड राज्य के निर्माता और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक संरक्षक Shibu Soren को पद्मश्री सम्मान दिए जाने की घोषणा पर झामुमो जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल शिबू सोरेन का नहीं, बल्कि पूरे झारखंड की जनता, आदिवासी-मूलवासी समाज और राज्य निर्माण के लिए संघर्ष करने वाले लाखों लोगों के योगदान का सम्मान है।

बुधराम लागुरी ने कहा कि शिबू सोरेन ने अपना संपूर्ण जीवन जल, जंगल और जमीन की रक्षा, आदिवासी अधिकारों तथा सामाजिक न्याय की लड़ाई के लिए समर्पित किया है। उनके नेतृत्व में चले लंबे जनआंदोलन के परिणामस्वरूप अलग झारखंड राज्य का सपना साकार हो सका।

बुधराम लागुरी ने कहा कि शिबू सोरेन का संघर्ष, दूरदर्शिता और जनसेवा की भावना उन्हें देश के प्रमुख जननेताओं में विशिष्ट स्थान दिलाती है। पद्मश्री सम्मान उनके दशकों लंबे सामाजिक और राजनीतिक योगदान की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति और पहचान है। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन का जीवन वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने हमेशा गरीबों, किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाया। बुधराम लागुरी ने उम्मीद जताई कि भविष्य में झारखंड आंदोलन के अन्य सेनानियों और राज्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले लोगों को भी उचित सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस सम्मान की घोषणा से पूरे झारखंड में खुशी और गौरव का माहौल है तथा झामुमो कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है।

चुनाव प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए एसआईआर जरूरी : अमित महतो

झामुमो कार्यकर्ताओं और बीएलए-2 के साथ बैठक, मतदाता सत्यापन पर दिया जोर

सिल्ली : सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और मजबूत बनाने के उद्देश्य से विधायक अमित कुमार महतो ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं एवं बीएलए-2 के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में उन्होंने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने बताया कि एसआईआर के माध्यम से मतदाताओं के दस्तावेजों का अद्यतन किया जाता है तथा भौतिक सत्यापन भी किया जाता है, जिससे मतदान प्रक्रिया की विश्वसनीयता और सुरक्षा बढ़ती है। विधायक ने कहा कि इसका सीधा लाभ आम जनता को मिलता है और लोकतांत्रिक व्यवस्था और अधिक मजबूत होती है।

बीएलओ और बीएलए-2 की भूमिका पर दी जानकारी : बैठक के दौरान विधायक अमित महतो ने बीएलओ और बीएलए-2 की जिम्मेदारियों के बीच अंतर को भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि बीएलए-2 की सक्रिय भागीदारी से मतदाता सत्यापन प्रक्रिया में सुधार होता है तथा कार्यों को प्रभावी ढंग से संपन्न करने में सुविधा मिलती है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची के शुद्धिकरण और जागरूकता अभियान में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राहे पशुपति अहीर, प्रखंड उपाध्यक्ष सनातन मुंडा, सिल्ली मुखिया भरत मुंडा, डॉ. अखिल महतो, अखिलेश कुम्हार, भगीरथ महतो, फखरुद्दीन रॉय, धनंजय सिंह मुंडा, सुयोग साहू सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चाईबासा में विद्युत ऊर्जा मेला आयोजित बेहतर बिजली सेवा पर दिया गया जोर

उपभोक्ताओं को विद्युत सुरक्षा, बिलिंग और विभागीय योजनाओं की दी गई जानकारी

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिला प्रशासन और झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में डीवीसी कॉलोनी, खप्परसाई चाईबासा में विद्युत ऊर्जा मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सेवा, ऊर्जा संरक्षण और विद्युत सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मंझगांव विधायक नीरल पूर्ती, जगन्नाथपुर विधायक सोनाराम सिंकु, मनोहरपुर विधायक जगत माझी, जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, उपायुक्त मनीष कुमार, उप विकास आयुक्त उत्कर्ष कुमार तथा चाईबासा नगर परिषद अध्यक्ष नितिन प्रकाश सहित बड़ी संख्या में उपभोक्ता और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और वृक्षारोपण के साथ हुई। मेले में विद्युत आपूर्ति, नए कनेक्शन, बिलिंग, मीटरिंग, शिकायत निवारण, विद्युत सुरक्षा और उपभोक्ता सेवाओं से जुड़े विभिन्न स्टॉल लगाए गए थे, जहां लोगों को योजनाओं और सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

कर्मचारियों और जागरूक उपभोक्ताओं को किया गया सम्मानित : ऊर्जा मेले के दौरान अतिथियों ने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण कर उपभोक्ताओं की समस्याएं और सुझाव सुने। इस अवसर पर विद्युत विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों और लाइनमैनों को सेफ्टी किट एवं टी-शर्ट प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं मीटर रीडरों और ऊर्जा मित्रों को प्रशस्ति पत्र एवं टी-शर्ट देकर उनके योगदान की सराहना की गई। समय पर बिजली बिल भुगतान करने वाले जागरूक उपभोक्ताओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंझगांव विधायक नीरल पूर्ती ने कहा कि बिजली आज विकास की बुनियादी आवश्यकता बन चुकी है और ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण बिजली पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बिजली चोरी रोकने, सुरक्षा नियमों का पालन करने और ऊर्जा संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की अपील की।

जगन्नाथपुर विधायक सोनाराम सिंकु ने कहा कि ऐसे आयोजन विभाग और उपभोक्ताओं के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ऊर्जा संरक्षण को बताया समय की जरूरत, नए कार्यालय का हुआ उद्घाटन : मनोहरपुर विधायक जगत माझी ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण केवल सरकार या विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने ऊर्जा दक्ष उपकरणों के उपयोग और अनावश्यक बिजली खपत रोकने की अपील की। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि विद्युत सेवा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और आर्थिक विकास से सीधे जुड़ी हुई है।

जिला प्रशासन और विद्युत विभाग का लक्ष्य सभी उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराना है। उन्होंने समय पर बिजली बिल भुगतान करने, बिजली चोरी की सूचना देने और सुरक्षित विद्युत उपयोग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और उपभोक्ताओं ने ऊर्जा संरक्षण तथा सुरक्षित विद्युत उपयोग की सामूहिक शपथ ली। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने नवनिर्मित सहायक विद्युत अभियंता कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया और उम्मीद जताई कि इससे क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बिजली संबंधी सेवाएं पहले से अधिक सुगमता और तेजी से मिल सकेंगी।

हाथी की करंट लगने से मौत मामले में दो गिरफ्तार

गढ़ शालबनी में दांतैल हाथी की मौत के बाद फरार थे आरोपी, पुलिस ने दबिश देकर पकड़ा

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट में करंट लगने से मौत की हुई पुष्टि
- वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर फिर उठे सवाल

झाड़ग्राम : पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम जिले के गढ़ शालबनी क्षेत्र में करंट लगने से एक दांतैल हाथी की दर्दनाक मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए मुख्य आरोपी होमस्टे 'कौशला हेरिटेज' के मालिक महेश मेहरा और उसके सहयोगी समीर महतो को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहे थे। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर राजस्थान के जयपुर में छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार किया। उल्लेखनीय है कि 19 मई 2026 की सुबह गढ़ शालबनी स्थित एक फल बागान में एक पूर्ण वयस्क हाथी मृत अवस्था में पाया गया था। घटना के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया था और वन्यजीव संरक्षण को लेकर कई सवाल उठे थे। घटना के बाद वन विभाग और पुलिस प्रशासन की संयुक्त जांच में सामने आया कि हाथी की मौत करंट लगने से हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी इसकी पुष्टि की गई। स्थानीय लोगों का आरोप था कि बागान और फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए अवैध रूप से हाई-वोल्टेज बिजली के तार लगाए गए थे।

उसी तार की चपेट में आने से हाथी की मौके पर ही मौत हो गई थी। सूचना मिलने पर डीएफओ उमर इमाम और लोधाशुली रेंज के रेंजर प्रसून मुखर्जी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की थी। मामले में पहले एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया था, जबकि मुख्य आरोपी फरार थे। पुलिस लगातार उनकी तलाश में जुटी हुई थी। लगातार दबाव और जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि दोनों आरोपी जयपुर में छिपे हुए हैं। इसके बाद विशेष टीम ने कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को दोनों आरोपियों को झाड़ग्राम अदालत में पेश किया गया, जहां पुलिस ने पूछताछ के लिए दो दिन की रिमांड की मांग की। पुलिस का मानना है कि पूछताछ में मामले से जुड़ी और महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं। इस घटना के बाद जंगल से सटे इलाकों में अवैध बिजली तारों के उपयोग को लेकर बहस तेज हो गई है। पर्यावरण प्रेमियों और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े लोगों ने प्रशासन से ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

सर्पदंश से 49 वर्षीय महिला की मौत अंगारडीहा गांव में शोक की लहर

सोने के दौरान विषैले सांप ने काटा, इलाज के दौरान सदर अस्पताल में तोड़ा दम

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत अंगारडीहा गांव में सर्पदंश की एक दर्दनाक घटना में 49 वर्षीय बेलमाई सुंडी की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है, जबकि पूरे गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। बताया गया कि सोमवार देर रात बेलमाई सुंडी अपने घर में सो रही थीं। इसी दौरान किसी विषैले सांप ने उन्हें काट लिया, जिससे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। मृतका की बहू संगीता सोय ने बताया कि रात करीब 12 बजे उसकी सास ने उसे आवाज देकर पैर में तेज दर्द और जलन की शिकायत की थी। शुरुआत में उसने इसे सामान्य परेशानी समझकर पैरों की मालिश की, लेकिन कुछ ही देर में उनकी हालत गंभीर होने लगी। शरीर में बेचैनी, कमजोरी और अन्य लक्षण तेजी से बढ़ने लगे।

स्थिति गंभीर होते देख परिजनों ने आसपास के ग्रामीणों को सूचना दी और सभी की मदद से बेलमाई सुंडी को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल चाईबासा ले जाया गया। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने महिला का तत्काल उपचार शुरू किया, लेकिन तब तक सांप का जहर शरीर में फैल चुका था। इलाज के दौरान मंगलवार तड़के करीब तीन बजे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने कहा कि बरसात के मौसम में सर्पदंश की घटनाएं बढ़ जाती हैं, इसलिए लोगों को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए।

मोहर्रम को शांतिपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर चांडिल में शांति समिति की बैठक

एसडीओ नितिन शिवम गुप्ता ने सौहार्द बनाए रखने और अफवाहों से सतर्क रहने की अपील की, सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों पर भी हुई चर्चा

चांडिल : सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल अनुमंडल मुख्यालय में मंगलवार को मोहर्रम पर्व के शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन को लेकर अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) नितिन शिवम गुप्ता ने की। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न समुदायों के लोगों ने भाग लिया। इस दौरान एसडीओ ने कहा कि भारत की पहचान विविधता में एकता और आपसी भाईचारे की परंपरा से है। मोहर्रम पर्व भी इसी परंपरा के अनुरूप शांति, सद्भाव और आपसी सहयोग के वातावरण में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी असामाजिक तत्व या अफवाह फैलाने वाले व्यक्ति को संरक्षण न दें तथा ऐसी गतिविधियों की जानकारी तत्काल प्रशासन को उपलब्ध कराएं।

बैठक को संबोधित करते हुए एसडीओ नितिन शिवम गुप्ता ने कहा कि समाज में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का भी कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों और समुदायों के सहयोग से ही क्षेत्र में सौहार्दपूर्ण वातावरण कायम रखा जा सकता है। बैठक में मौजूद लोगों ने भी मोहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की प्रतिबद्धता जताई। प्रशासनिक अधिकारियों ने पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, जुलूस मार्ग, भीड़ नियंत्रण और आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की तथा लोगों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

शांति समिति की बैठक के दौरान सड़क सुरक्षा और बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। इस पर एसडीओ ने कहा कि यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है, लेकिन जनसहयोग से इस दिशा में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

उन्होंने लोगों से वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा यातायात नियमों की अनदेखी नहीं करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लापरवाही न केवल स्वयं के लिए बल्कि अन्य लोगों के लिए भी खतरा पैदा करती है।

बैठक में एसडीपीओ शिव प्रकाश कुमार, नीमडीह अंचलाधिकारी, ईचागढ़ बीडीओ, चांडिल थाना प्रभारी, नीमडीह थाना प्रभारी, कपाली ओपी प्रभारी, समाजसेवी हकीम चंद्र महतो, पंचायत समिति सदस्य रजिया सुल्ताना, शेख फरीद, मनमन सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शांति समिति की बैठक में सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील

प्रशासन ने अफवाहों से सतर्क रहने और सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी निभाने का दिया संदेश

किरीबुरू : मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार शाम किरीबुरू थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी रोहित कुमार ने की। बैठक में मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों ने जानकारी दी कि किरीबुरू की मस्जिदों में मोहर्रम के अवसर पर केवल नमाज अदा की जाती है और यहां ताजिया जुलूस निकालने की परंपरा नहीं है। प्रशासन ने स्थानीय परंपराओं को ध्यान में रखते हुए सभी समुदायों से आपसी भाईचारे, सहयोग और शांति के साथ पर्व मनाने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि पर्व के दौरान सामाजिक सौहार्द बनाए रखना सभी नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है।

संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आग्रह : बैठक को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भड़काऊ, आपत्तिजनक या अफवाह फैलाने वाली सामग्री साझा करने से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अफवाह की जानकारी तुरंत पुलिस को दी जाए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। एसडीपीओ विनीत कुमार किंडो ने कहा कि मोहर्रम शांति, अनुशासन और भाईचारे का प्रतीक पर्व है। उन्होंने लोगों से किसी भी समस्या, विवाद या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस हेल्पलाइन 112 पर देने का आग्रह किया।

बैठक में मुखिया पार्वती कीड़ो, रब्बे आलम, कनक मिश्रा, प्रतिमा सिंह, शानी हेस्सा, नेहा हेंब्रम, शमीम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ब्रीफ खबर

खेत की जुताई के दौरान मिला बमनुमा विस्फोटक पदार्थ

मनोहरपुर : मनोहरपुर थाना क्षेत्र के सोनपोखरी गांव में मंगलवार सुबह खेत की जुताई के दौरान बम जैसा संदिग्ध विस्फोटक पदार्थ मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब नौ बजे मदन हेम्ब्रोम के खेत में ट्रैक्टर से जुताई का कार्य चल रहा था। इसी दौरान जमीन के अंदर दबा मेटल से बना एक संदिग्ध वस्तु बाहर निकल आया। स्थानीय लोगों के मुताबिक बरामद वस्तु का वजन लगभग 30 किलोग्राम हो सकता है। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति बन गई। बताया जाता है कि ट्रैक्टर चालक ने अनजाने में उक्त संदिग्ध वस्तु को जमीन से निकालकर खेत में रख दिया था। इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दी। हालांकि, बरामद वस्तु किस प्रकार का विस्फोटक है और इसका उपयोग किस उद्देश्य से किया जाता था, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

जल संरक्षण और स्वच्छता को लेकर मनोहरपुर में जलसहियाओं की बैठक

मनोहरपुर : स्वच्छ भारत मिशन के तहत जल संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को पीएचडी विभाग परिसर में जलसहियाओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड समन्वयक तथा प्रखंड की सभी जलसहियाओं ने भाग लिया। इस दौरान जल गुणवत्ता जांच, चापाकलों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा गीले और सूखे कचरे के उचित प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही अनुपयोगी प्लास्टिक कचरे को इधर-उधर फेंकने के बजाय उसे सुरक्षित रूप से एकत्र कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत निस्तारित करने की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छ वातावरण और सुरक्षित पेयजल के लिए जनभागीदारी बेहद आवश्यक है। बैठक में घटते भू-जल स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए पानी के दुरुपयोग को रोकने और जल संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देने पर बल दिया गया। उपस्थित जलसहियाओं से अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को जल बचाने, स्वच्छता अपनाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने की अपील की गई।

बिजली संकट के खिलाफ 28 जून को सब स्टेशन में तालाबंदी का ऐलान

मुरी : लगातार बनी हुई बिजली समस्या को लेकर मुरी-सिल्ली के व्यवसायियों एवं ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार देर रात पुराना बुंडू रोड स्थित एक लॉज में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विनय साहू ने की। बैठक में क्षेत्र की खराब विद्युत व्यवस्था पर गहरी चिंता व्यक्त की गई और इसके समाधान के लिए चरणबद्ध आंदोलन चलाने का निर्णय लिया गया। साथ ही प्रखंड प्रशासन एवं पुलिस विभाग को प्रस्तावित आंदोलन की जानकारी देने पर सहमति बनी। बैठक में निर्णय लिया गया कि 27 जून की संध्या को बिजली संकट के विरोध में मशाल जुलूस निकाला जाएगा। वहीं 28 जून को सिल्ली सब स्टेशन में तालाबंदी कर जनआक्रोश व्यक्त किया जाएगा। बैठक में समस्त सिल्ली प्रखंड के ग्रामीणों से आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की गई। विशेष रूप से महिला समितियों से भी तालाबंदी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बड़ी संख्या में शामिल होने का आग्रह किया गया।

बड़ाजामदा के आदर्श मध्य विद्यालय में चला नशा मुक्ति अभियान

बड़ाजामदा : बड़ाजामदा स्थित आदर्श मध्य विद्यालय में नशा मुक्ति अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान बालाजी इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग लिमिटेड, बड़ाजामदा के तत्वावधान में संचालित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभात फेरी के साथ हुई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया। इसके बाद विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए गंभीर खतरा है। बच्चों और युवाओं को इससे दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए तथा अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करना चाहिए। अभियान के अंत में विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर बालाजी इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग लिमिटेड के अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव, विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजकुमार श्रीवास्तव सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

त्रिपक्षीय वार्ता में कंपनी ने मांगा 10 जुलाई तक का समय

घाटशिला : कई दशक पुराने भूमि विवाद को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच 23 जून को अनुमंडलाधिकारी की मध्यस्थता में त्रिपक्षीय वार्ता आयोजित की गई। बैठक में कंपनी प्रबंधन, प्रशासनिक अधिकारियों और आंदोलनकारियों के बीच विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान कंपनी प्रबंधन ने अनुमंडलाधिकारी के समक्ष कहा कि संबंधित भूमि से जुड़े आवश्यक दस्तावेज फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं और उन्हें एकत्र करने के लिए समय की आवश्यकता है। कंपनी अधिकारियों ने 10 जुलाई तक सभी आवश्यक कागजात उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। प्रशासन की मौजूदगी में हुई इस वार्ता में विवाद के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल पर सहमति बनी। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि निर्धारित समय सीमा तक कंपनी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाती है, तो भूमि अधिग्रहण संबंधी प्रक्रिया में उपायुक्त कार्यालय का सहयोग लिया जाएगा। अनुमंडलाधिकारी के प्रयासों और कंपनी के आश्वासन का सम्मान करते हुए आंदोलनकारियों ने अपनी प्रस्तावित नाकाबंदी को 10 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया है।

12 दिनों से ठप राशन आवंटन प्रणाली से डीलर परेशान, उपायुक्त को सौंपा गया ज्ञापन

सर्वर खराबी से पीडीएस व्यवस्था प्रभावित, राशन डीलरों ने मांगा तत्काल समाधान, 12 जून को भी सौंपा गया था ज्ञापन, फिर भी नहीं सुधरी स्थिति

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत राशन आवंटन और वितरण व्यवस्था पिछले लगभग 12 दिनों से गंभीर तकनीकी समस्याओं का सामना कर रही है। लगातार सर्वर और ऑनलाइन सिस्टम में आ रही खराबियों के कारण जिले के राशन डीलरों के साथ-साथ हजारों राशन कार्डधारियों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन, झारखंड की पूर्वी सिंहभूम इकाई ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है।

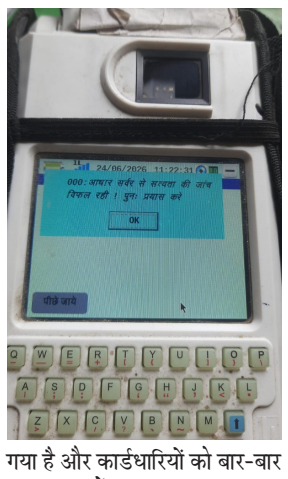

डीलरों का कहना है कि तकनीकी बाधाओं के चलते राशन आवंटन की प्रक्रिया बाधित हो गई है, जिससे समय पर लाभुकों तक खाद्यान्न पहुंचाना मुश्किल हो रहा है। कई राशन दुकानों में कार्य लगभग ठप पड़ गया है और कार्डधारियों को बार-बार राशन दुकानों का चक्कर लगाना पड़ रहा है। डीलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि इस गंभीर समस्या को ,लेकर 12 जून को भी उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया था। ज्ञापन में सर्वर की खराबी और राशन

सरकारी समय-सीमा और तकनीकी बाधाओं के बीच फंसे डीलर, समय-सीमा बढ़ाने और सर्वर दुरुस्त करने की मांग

आवंटन में आ रही दिक्कतों की विस्तृत जानकारी दी गई थी। इसके बावजूद अब तक स्थिति में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है। डीलरों का कहना है कि लगातार तकनीकी बाधाओं के कारण राशन वितरण व्यवस्था लगभग चरमरा गई है। लाभुकों का डेटा अपडेट नहीं हो पा रहा है, कई बार ई-पॉस मशीनें सही तरीके से कार्य नहीं करतीं और ऑनलाइन प्रक्रिया बीच में ही रुक जाती है। इससे राशन वितरण की पूरी व्यवस्था प्रभावित हो रही है और डीलरों को लाभुकों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है।

डीलरों के अनुसार राज्य सरकार ने 24 जून तक सभी पात्र राशन कार्डधारियों को खाद्यान्न आवंटन सुनिश्चित करने के साथ-साथ धोती-साड़ी योजना का वितरण भी पूरा करने का निर्देश दिया है। लेकिन जमीनी स्तर पर सर्वर की खराब स्थिति के कारण इन निर्देशों का पालन करना बेहद कठिन हो गया है। डीलरों का कहना है कि प्रतिदिन सुबह लगभग 10 बजे तक किसी तरह सर्वर काम करता है, लेकिन इसके बाद या तो सर्वर पूरी तरह बंद हो जाता है अथवा उसकी गति इतनी धीमी हो जाती है कि कार्य करना संभव नहीं रह जाता। इसके कारण राशन आवंटन और वितरण की प्रक्रिया बार-बार बाधित हो रही है। एक ओर लाभुक समय पर राशन नहीं मिलने से परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर डीलरों पर सरकारी लक्ष्य पूरा करने का दबाव बना हुआ है।

फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन ने जिला प्रशासन से मांग की है कि राशन आवंटन प्रणाली में आ रही तकनीकी खामियों को तत्काल दूर किया जाए और सर्वर को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। साथ ही उन्होंने यह भी मांग की है कि जब तक तकनीकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो जाता, तब तक राशन और धोती-साड़ी वितरण की समय-सीमा में उचित विस्तार दिया जाए। डीलरों का कहना है कि यदि जल्द ही स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो जिले की राशन वितरण व्यवस्था और अधिक प्रभावित हो सकती है, जिससे हजारों गरीब और जरूरतमंद परिवारों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने प्रशासन से इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने की अपील की है।

ब्रीफ खबर

राष्ट्र स्तरीय ब्यूटी सेमिनार 30 जून को जमशेदपुर में

जमशेदपुर : सौंदर्य एवं फैशन उद्योग से जुड़े युवाओं और पेशेवरों के लिए शहर में 30 जून को राष्ट्रीय स्तर के 'ब्यूटी सेमिनार' का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम होटल विवांता में आयोजित होगा, जिसमें देश के प्रतिष्ठित ब्यूटी और मेकअप विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। आयोजक शिखा कुंडू एवं मुख्य वक्ता सत्यजीत सिंह राजपूत ने बताया कि सेमिनार का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय ब्यूटी ट्रेंड्स, एडवांस स्किन केयर, ब्राइडल मेकअप तकनीकों तथा आधुनिक हेयर स्टाइलिंग की विधाओं से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल कौशल विकास का मंच बनेगा, बल्कि युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगा। सेमिनार के दौरान प्रतिभागियों को लाइव मास्टर क्लास, प्रैक्टिकल ट्रेनिंग और आधुनिक मेकअप तकनीकों का प्रदर्शन देखने का अवसर मिलेगा। विशेषज्ञ एडवांस मेकअप, इंटरनेशनल स्टाइल, स्किन ट्रीटमेंट और फैशन इंडस्ट्री के नवीनतम रुझानों पर विस्तृत जानकारी देंगे। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

स्व. सुधीर महतो की 72वीं जयंती पर झामुमो ने दी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर : जमशेदपुर में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) जमशेदपुर प्रखंड समिति द्वारा झारखंड आंदोलनकारी एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री Sudhir Mahato की 72वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। प्रखंड अध्यक्ष पलटन मुर्मू के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में जमशेदपुर प्रखंड कार्यालय के समीप स्व. महतो के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके संघर्षपूर्ण जीवन, झारखंड राज्य आंदोलन में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका तथा राज्य के विकास के लिए किए गए योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि स्व. सुधीर महतो ने झारखंड की पहचान, अधिकार और विकास के लिए निरंतर संघर्ष किया तथा उनका जीवन जनसेवा और सामाजिक समर्पण का प्रतीक रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके विचारों और आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए प्रखंड अध्यक्ष पलटन मुर्मू ने कहा कि स्व. सुधीर महतो के आदर्श और संघर्ष आज भी झारखंड के लोगों को प्रेरित करते हैं।

मोहर्रम पर विभिन्न अखाड़ों में पहुंचे सिमरन भाटिया

जमशेदपुर : मोहर्रम के पवित्र अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के युवा नेता सिमरन भाटिया ने जमशेदपुर के विभिन्न प्रमुख मोहर्रम अखाड़ों का दौरा कर अखाड़ा समितियों एवं स्थानीय लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मोहर्रम की तैयारियों का जायजा लिया और सभी को आपसी भाईचारे, सामाजिक सौहार्द एवं एकता का संदेश दिया। विभिन्न अखाड़ों में पहुंचने पर समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कई स्थानों पर उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। सिमरन भाटिया ने आयोजन समितियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज को जोड़ने का काम करते हैं। अखाड़ा समितियों को संबोधित करते हुए सिमरन भाटिया ने कहा कि जमशेदपुर हमेशा से गंगा-जमुनी तहजीब, सामाजिक समरसता और कौमी एकता की मिसाल रहा है। उन्होंने कहा कि मोहर्रम का पर्व त्याग, बलिदान और सत्य के लिए संघर्ष की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर उन्होंने सभी शहरवासियों से शांति, अनुशासन और प्रेमभाव के साथ त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव और आपसी सम्मान ही समाज को मजबूत बनाते हैं। इस दौरान उनके साथ झामुमो के कई कार्यकर्ता और समर्थक भी मौजूद रहे, जिन्होंने विभिन्न अखाड़ों में जाकर लोगों को मोहर्रम की शुभकामनाएं दीं।

आजादनगर फायरिंग कांड में पुलिस ने मुख्य आरोपी की निशानदेही पर हथियार बरामद किया

मुबारक अंसारी के पुलिस रिमांड के दौरान मिली अहम जानकारी

जमशेदपुर : आजादनगर थाना क्षेत्र में 1 जून को हुई चर्चित फायरिंग घटना की जांच में पूर्वी सिंहभूम पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले के मुख्य आरोपी मुबारक अंसारी को पुलिस रिमांड पर लेकर की गई पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल की गई 7.65 एमएम की पिस्तौल, एक जिंदा कारतूस और फायर किया गया खोखा बरामद किया गया है। पुलिस इस बरामदगी को मामले की जांच में महत्वपूर्ण उपलब्धि मान रही है। अधिकारियों के अनुसार बरामद हथियार को जब्त कर लिया गया है और अब उसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजने की प्रक्रिया चल रही है। जांच एजेंसियों का मानना है कि फॉरेंसिक रिपोर्ट से यह स्पष्ट हो सकेगा कि बरामद पिस्तौल का उपयोग इसी फायरिंग घटना में किया गया था या नहीं। इस कार्रवाई के बाद मामले की जांच को और मजबूती मिली है।

जानकारी के अनुसार 1 जून 2026 को आज़ादनगर थाना क्षेत्र के रोड नंबर-3 स्थित सिब्तैन मस्जिद के समीप फायरिंग की घटना हुई थी। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया था। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और साक्ष्य जुटाने के साथ जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मुबारक अंसारी, मोहम्मद शफीक, तनवीर उर्फ इमरान उर्फ खेपा, महताब तथा तनवीर उर्फ समीर के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की थी। घटना के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे, जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित कर लगातार छापेमारी शुरू की गई। पुलिस ने झारखंड के अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के विभिन्न जिलों में भी संभावित ठिकानों पर दबिश दी।

जांच के दौरान पुलिस को पहली सफलता 13 जून को मिली, जब आरोपी तनवीर उर्फ इमरान उर्फ खेपा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसके बाद पुलिस का दबाव लगातार बढ़ता गया और फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई। इसी क्रम में मुख्य आरोपी मुबारक अंसारी ने 22 जून को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण के बाद पुलिस ने न्यायालय से अनुमति प्राप्त कर 25 जून को उसे रिमांड पर लिया। कई घंटों तक चली पूछताछ के दौरान आरोपी ने घटना से जुड़े महत्वपूर्ण खुलासे किए। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने हथियार और अन्य साक्ष्य बरामद किए।

मासिक लोक अदालत में 100 मामलों का निपटारा, 3.85 लाख रुपये का राजस्व संग्रह

जमशेदपुर : जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) जमशेदपुर की ओर से जून माह के अंतिम शनिवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। डालसा सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी ने बताया कि लोक अदालत में कुल 100 मामलों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया। इनमें प्री-लिटिगेशन के 41 मामले और न्यायालय में लंबित 59 मामलों की सुनवाई कर उनका निपटारा किया गया। लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों को त्वरित एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराया गया, जिससे समय और संसाधनों की भी बचत हुई। डालसा सचिव ने बताया कि लोक अदालत में निपटाए गए मामलों से कुल 3,85,200 रुपये का राजस्व संग्रह हुआ। मामलों के प्रभावी निष्पादन के लिए कुल 10 बेंचों का गठन किया गया था। इनमें व्यवहार न्यायालय जमशेदपुर में 6 बेंच तथा घाटशिला अनुमंडल न्यायालय में 4 बेंच कार्यरत थीं। लोक अदालत के सफल आयोजन में न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं और संबंधित पक्षकारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने भविष्य में भी इसी प्रकार के आयोजन के माध्यम से अधिक से अधिक मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान का लक्ष्य रखा है।

नव नियुक्त 90 लोको पायलटों को आपदा प्रबंधन और फायर सेफ्टी का प्रशिक्षण

रेल सिविल डिफेंस ने आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए दिया व्यवहारिक प्रशिक्षण

जमशेदपुर : रेल सिविल डिफेंस द्वारा इलेक्ट्रिक लोको पायलट ट्रेनिंग सेंटर में रेलवे भर्ती बोर्ड से नव नियुक्त 90 लोको पायलटों के लिए आपदा प्रबंधन, फायर सेफ्टी एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने संबंधी विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान रेल सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने फायर सेफ्टी के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने लखनऊ के अलीगंज ट्रेनिंग सेंटर में फायर सेफ्टी नियमों की अनदेखी के कारण हुई दर्दनाक घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं से सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने का आह्वान किया।

आग के प्रकार और बचाव के उपायों की दी जानकारी : प्रशिक्षण सत्र में संतोष कुमार ने बताया कि आग लगने की स्थिति में बिना सोचे-समझे पानी का उपयोग करना कई बार खतरनाक साबित हो सकता है। उन्होंने विभिन्न प्रकार की आग और उनके अनुरूप उपयोग किए जाने वाले अग्निशमन उपकरणों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बी क्लास फायर (तेल से लगी आग), सी क्लास फायर (बिजली से लगी आग) और डी क्लास फायर (धातु में लगी आग) पर पानी का प्रयोग नहीं करना चाहिए। गलत तरीके से आग बुझाने का प्रयास बड़ी दुर्घटना को जन्म दे सकता है। इसके अलावा ट्रेन और इंजन में आग लगने के संभावित कारणों तथा उनसे बचाव के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

सीपीआर और फायर एक्सटिंग्विशर का कराया गया व्यवहारिक अभ्यास : प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डेमोंस्ट्रेटर शंकर कुमार प्रसाद ने प्रतिभागियों को फायर एक्सटिंग्विशर के सही उपयोग तथा सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया।

इस कार्यक्रम में दक्षिण पूर्व रेलवे भर्ती बोर्ड के रांची, आद्रा, चक्रधरपुर और खड़गपुर मंडलों से आए कुल 90 नव नियुक्त लोको पायलट शामिल हुए। प्रशिक्षण का उद्देश्य रेल परिचालन के दौरान किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना तथा कर्मियों को सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए सक्षम बनाना था।

सोनपोखरी में मिले विस्फोटक को सेना के बम निरोधक दस्ते ने सुरक्षित तरीके से किया नष्ट

खेत की जुताई के दौरान मिला था विस्फोटक, तीन दिन बाद संयुक्त सुरक्षा अभियान में निष्क्रिय किया गया, विस्फोटक मिलने से गांव में फैली थी दहशत

मनोहरपुर : पश्चिम सिंहभूम जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनपोखरी गांव में खेत की जुताई के दौरान बरामद करीब 30 किलोग्राम विस्फोटक को भारतीय सेना के बम निरोधक दस्ते ने शुक्रवार दोपहर सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। विस्फोटक मिलने के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ था। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही थी और पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में रखा गया था। लगभग तीन दिनों तक चली सतर्कता और सुरक्षा तैयारियों के बाद सेना के विशेषज्ञों ने निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्रवाई करते हुए विस्फोटक को निष्क्रिय कर दिया। इस सफल अभियान के बाद ग्रामीणों और प्रशासन ने राहत की सांस ली। अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की जनहानि या संपत्ति के नुकसान की घटना नहीं हुई।

विस्फोटक बरामद होने के बाद सीआरपीएफ ने तत्काल पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में ले लिया था और आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई थी। विस्फोटक को नष्ट करने की प्रक्रिया के दौरान घटनास्थल से लगभग 200 मीटर की दूरी पर भारतीय सेना, सीआरपीएफ, जिला

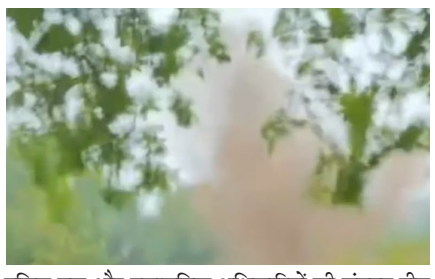

पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीम तैनात रही। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को सोनपोखरी निवासी मदन हेम्ब्रोम अपने खेत की ट्रैक्टर से जुताई करा रहे थे। इसी दौरान जमीन के भीतर दबा करीब 30 किलोग्राम विस्फोटक बरामद हुआ था। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई थीं और क्षेत्र की घेराबंदी कर निगरानी शुरू कर दी गई थी। शुक्रवार को सेना के बम निरोधक दस्ते ने सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए विस्फोटक को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया, जिससे किसी संभावित खतरे को पूरी तरह टाल दिया गया।

सीआईडी की छापेमारी के बाद रिम्स निदेशक डॉ. राज कुमार का इस्तीफा

रांची : झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एवं चिकित्सा संस्थान राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में सीआईडी की छापेमारी के बाद बड़ा प्रशासनिक घटनाक्रम सामने आया है। रिम्स के निदेशक डॉ. राज कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब सीआईडी की टीम ने हाल ही में रिम्स परिसर में व्यापक जांच अभियान चलाया था।

बुधवार को सीआईडी की टीम ने रिम्स के निदेशक कार्यालय, डाटा सेंटर, डीन कार्यालय और प्रशासनिक भवन में करीब सात घंटे तक जांच की। इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों की पड़ताल की गई और निदेशक सहित अन्य अधिकारियों से पूछताछ भी की गई। छापेमारी के बाद पूरे रिम्स परिसर में चर्चा और हलचल का माहौल बना हुआ था।

दो मामलों की जांच कर रही है CID : जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार के निर्देश पर सीआईडी दो प्रमुख मामलों की जांच कर रही है। पहला मामला वर्ष 2025 में एमबीबीएस और बीडीएस पाठ्यक्रमों में हुए नामांकन से जुड़ा है। आरोप है कि कुछ विद्यार्थियों ने फर्जी जाति प्रमाण-पत्र, फर्जी आवासीय प्रमाण-पत्र और फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के आधार पर प्रवेश प्राप्त किया था।

जांच में यह भी सामने आया है कि नामांकन के दौरान जमा किए गए दस्तावेजों का संबंधित अधिकारियों द्वारा समय पर सत्यापन नहीं किया गया। आरोप है कि एक वर्ष बीत जाने के बाद भी कई प्रमाण-पत्रों का सत्यापन लंबित रहा, जिससे फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्रवेश लेने की आशंका को बल मिला है। दूसरा मामला रिम्स में सफाई व्यवस्था से जुड़े टेंडर में कथित अनियमितताओं का है। आरोप है कि टेंडर प्रक्रिया में नियमों का पालन नहीं किया गया और कई स्तरों पर गड़बड़ियां हुईं। सीआईडी इस मामले से जुड़े दस्तावेजों और प्रक्रियाओं की भी जांच कर रही है।

पद्मभूषण सम्मान पर झामुमो कार्यकर्ताओं में उत्साह, जिला कार्यालय में बांटे गए 25 किलो लड्डू

जमशेदपुर : जमशेदपुर के साकची स्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के पूर्वी सिंहभूम जिला संपर्क कार्यालय में गुरुवार को झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता और झारखंड राज्य के जनक Shibu Soren को मरणोपरांत पद्मभूषण सम्मान दिए जाने की खुशी में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला अध्यक्ष विक्टर सोरेन के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में झामुमो कार्यकर्ताओं और आम लोगों के बीच 25 किलो लड्डू वितरित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत गुरुजी के छायाचित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई।

इस दौरान उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके संघर्षमय जीवन, सामाजिक योगदान और झारखंड आंदोलन में निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका को याद किया। समारोह में बड़ी संख्या में पार्टी

कार्यकर्ताओं ने भाग लेते हुए इस सम्मान को पूरे झारखंड के लिए गौरव का क्षण बताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष विक्टर सोरेन ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन एक युगदृष्टा नेता थे, जिनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में अलग झारखंड राज्य का आंदोलन मजबूत हुआ और अंततः सफल भी हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के बाद भी गुरुजी ने आदिवासी, मूलवासी, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों के लिए जीवनभर संघर्ष किया। वक्ताओं ने कहा कि उनके आदर्श, विचार और जनसरोकार की राजनीति आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। झामुमो नेताओं ने केंद्र सरकार से यह मांग भी की कि गुरुजी के असाधारण योगदान को देखते हुए उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से भी सम्मानित करने पर विचार किया जाना चाहिए।

झामुमो नेताओं ने बताया कि हाल ही में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्मभूषण सम्मान प्रदान किया गया। उनकी अनुपस्थिति में उनकी धर्मपत्नी Rupi Soren ने Droupadi Murmu के हाथों यह सम्मान ग्रहण किया। इस अवसर पर Kalpana Murmu Soren की भी उपस्थिति रही। लड्डू वितरण कार्यक्रम में पूर्व सांसद Suman Mahato सहित कई वरिष्ठ नेता, केंद्रीय सदस्य एवं बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि यह सम्मान झारखंड की अस्मिता, संघर्ष और पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मिली बड़ी मान्यता है।

भरत तिवारी एनकाउंटर की पुलिस मुख्यालय में रची गई साजिश - पप्पू यादव

फर्जी एनकाउंटर से पुलिस पर से लोगों का घटेगा भरोसा, सीबीआई और सिटिंग जज से जांच की मांग

पटना : भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में हुए भरत तिवारी के कथित एनकाउंटर मामले को लेकर पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बिहार पुलिस और गृह विभाग के शीर्ष अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इस कथित मुठभेड़ को पुलिस मुख्यालय के इशारे पर की गई सुनियोजित हत्या बताते हुए मामले की जांच सीबीआई और हाईकोर्ट के सिटिंग जज से कराने की मांग की है। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि इस मामले में न तो आरा के एसपी, न स्थानीय डीएसपी और न ही संबंधित थानेदार की भूमिका प्रमुख है। उनके अनुसार पूरी घटना की पटकथा पुलिस मुख्यालय में तैयार की गई और विशेष टीम भेजकर भरत तिवारी की हत्या कराई गई।

उन्होंने कहा कि जांच का सबसे महत्वपूर्ण विषय यह है कि घटना के समय स्थानीय पुलिस अधिकारियों को मुख्यालय के किन-किन वरिष्ठ अधिकारियों के फोन आए थे। उन सभी अधिकारियों के कॉल रिकॉर्ड और लोकेशन की गहन जांच होनी चाहिए। पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि घटना के दौरान वीडियो कॉलिंग के माध्यम से स्थानीय अधिकारियों

को निर्देश दिए गए थे। उन्होंने दावा किया कि कुछ वरिष्ठ अधिकारियों ने कथित तौर पर कहा था कि यदि कोई व्यक्ति 'पागल हाथी' की तरह व्यवहार कर रहा है तो उसे मार दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मामले में लीपापोती की कोशिश की जा रही है और कुछ निचले स्तर के पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई कर असली जिम्मेदारों को बचाने का प्रयास हो सकता है। उनके अनुसार बिना सीबीआई जांच के पूरे मामले की सच्चाई सामने नहीं आ पाएगी। सांसद ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में जातीय तनाव का माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न सामाजिक वर्गों को आपस में बांटने और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की जा रही है। पप्पू यादव ने कहा कि राज्य में बढ़ती घटनाओं को लेकर समाज के विभिन्न वर्गों में नाराजगी है और सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। पप्पू यादव ने बिहार के पूर्व डीजीपी अभयानंद के एक बयान का हवाला देते हुए कहा कि यदि फर्जी एनकाउंटर जैसी घटनाएं होती रहीं तो जनता का पुलिस पर भरोसा कमजोर होगा। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से लोगों के मन में सुरक्षा की भावना के बजाय भय और अविश्वास पैदा होगा।

पूर्व एनएसजी कमांडो लकी बिष्ट का नया दावा, बोले- भोजपुर एसपी ने मृतक के भाई को अकेले में धमकाया

आरा : भोजपुर जिले में हुए भरत भूषण तिवारी के कथित एनकाउंटर मामले में पूर्व एनएसजी (NSG) कमांडो लकी बिष्ट ने सोशल मीडिया के जरिए नया दावा करते हुए भोजपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) श्रीराज पर गंभीर आरोप लगाए हैं। लकी बिष्ट का आरोप है कि एसपी ने मृतक के नाबालिग भाई को अकेले में बुलाकर मामले को आगे नहीं बढ़ाने की बात कही और उस पर दबाव बनाने का प्रयास किया। लकी बिष्ट के अनुसार, 24 जून को भोजपुर एसपी श्रीराज पुलिस बल के साथ भरत तिवारी के घर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी और मामले की निष्पक्ष जांच तथा न्याय दिलाने का भरोसा दिया। बताया गया कि एसपी ने परिवार को आश्वस्त किया था कि पूरे मामले की न्यायिक जांच होगी और सभी पहलुओं की पड़ताल की जाएगी। सोशल मीडिया पोस्ट में लकी बिष्ट ने दावा किया कि एसपी श्रीराज ने भरत तिवारी के छोटे भाई चंदन तिवारी को अलग ले जाकर बातचीत की। उन्होंने आरोप लगाया कि चंदन, जो 12वीं कक्षा का छात्र है, से कहा गया कि मामले को जल्द से जल्द समाप्त किया जाए। लकी बिष्ट के अनुसार, जब चंदन ने इसका कारण पूछा तो कथित तौर पर उसे बताया गया कि उसका भाई अपराधी था और पुलिस पर हथियार तानने के कारण मारा गया। बिष्ट ने सवाल उठाया कि क्या यह कथित दबाव स्थानीय स्तर पर डाला गया या फिर इसके पीछे किसी उच्च स्तर का निर्देश था।

मेरे पास सबूत हैं : पूर्व कमांडो ने अपने दावे को दोहराते हुए कहा कि यदि उनके आरोपों पर संदेह है तो वह संबंधित बातचीत के सबूत उपलब्ध कराने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह पर्दे के पीछे की सच्चाई सामने लाने की कोशिश कर रहे हैं और उनके पास अपने दावों के समर्थन में प्रमाण मौजूद हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से एसपी को हटाने की मांग की है।

आयरलैंड ने रचा इतिहास, वर्ल्ड चैंपियन भारत को 34 रन से हराया

बेलफास्ट : आयरलैंड ने क्रिकेट इतिहास में पहली बार भारत को किसी भी प्रारूप में हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब मैदान पर खेले गए दो मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में आयरलैंड ने मौजूदा टी20 विश्व चैंपियन भारत को 34 रन से शिकस्त देकर इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने सीरीज में 1-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 182 रन बनाए। कप्तान लोरकन टकर ने 36 गेंदों पर 50 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि गैरेथ डेलानी ने 32 गेंदों में 49 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। संजू सैमसन 5, ईशान किशन 1 और कप्तान श्रेयस अय्यर 3 रन बनाकर जल्दी पवेलियन लौट गए। अभिषेक शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 20 गेंदों में 50 रन बनाए, जिसमें

7 चौके और 2 छक्के शामिल थे, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला।

तिलक वर्मा 19, शिवम दुबे 25 और अक्षर पटेल 15 रन बनाकर आउट हो गए। नियमित अंतराल पर विकेट गिरने के कारण भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई और मुकाबला 34 रन से हार गई। आयरलैंड की ओर से मैथ्यू हम्फ्रीज और मैट होलार्ड ने तीन-तीन विकेट झटके, जबकि जय मूंद्रा ने दो विकेट हासिल किए। इससे पहले भारतीय गेंदबाज हर्षित राणा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट हासिल किए। हालांकि प्रसिद्ध कृष्णा महंगे साबित हुए और अपने 4 ओवर में 57 रन खर्च किए। आयरलैंड की यह भारत के खिलाफ किसी भी प्रारूप में पहली जीत है। अब मेजबान टीम के पास भारत के खिलाफ पहली बार द्विपक्षीय सीरीज जीतने का सुनहरा अवसर है। अगर यह किसी समाचार पोर्टल के लिए है, तो मैं इसे और अधिक आकर्षक हेडलाइन व SEO शैली में भी तैयार कर सकता हूं।